तापमान

अधिकतम 26.0 डिग्री

न्यूनतम 12.0 डिग्री

हरिभूमि कांकेर भूमि

रायपुर, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

14 धान खरीदी व्यवस्था में सुधार से किसानों ...

14 लिंग आधारित हिंसा पर कार्यक्रम में जागरूकता...

खबर संक्षेप

शराब पीने की सुविधा दी तीन पर की गई कार्रवाई

कांकेर। जिला के पुलिस द्वारा अलग अलग कार्यवाही करते हुए

9 दिसंबर को तीन लोगो को पकड़ा। पखांजुर पुलिस ने आरोपी पखांजुर निवासी 62 वर्षीय गोपाल विश्वास और पीव्ही 125 निवासी 45 वर्षीय हषित बैरागी द्वारा लोगो को शराब पीने की अवैध रूप से सुविधा देते हुए पकड़ा। दोनो आरोपी के खिलाफ धारा 36 (सी) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। भानुप्रतापपुर पुलिस ने कोरर थानांतर्गत हाटकर्रा निवासी जयलाल दर्रो को सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करते हुए पकड़ा। मौके पर आरोपी के कब्जे से अंग्रेजी शराब, चखना व डिस्पोजल गिलास को जप्त कर धारा 36 (च) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

इलाज के दौरान युवती की मौत, विवेचना जारी

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत पीव्ही 45 निवासी 19 वर्षीय सरिता नुरूटी का अज्ञात कारणों से मौत हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतिका को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था, जिसका अज्ञात कारणों के चलते 9 दिसंबर को सिविल अस्पताल में मौत हो गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

सफलता : हिंसा से शांति पर विश्वास तक का सफर, कांकेर के जंगलों में दिख रहा असर

23 लाख के 4 मोस्ट वांटेड माओवादी लौटे मुख्यधारा में, कांकेर में शांति की नई सुबह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन रणनीति, शांति-सम्वाद और विकास आधारित प्रयासों की एक और बड़ी सफलता सामने आई है। जिले में चल रहे पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान से प्रेरित होकर 23 लाख रुपए इनामी 04 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 02 महिला और 02 पुरुष माओवादी शामिल हैं, जो लंबे समय से विभिन्न डिवीजनों में सक्रिय थे।

कांकेर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलीसेला ने बीएसपी 94 बटालियन टूआईसी मनोज कसाना और भानुप्रतापपुर एएसपी आईपीएस आकाश श्रीश्रीमाल की उपस्थिति में मीडिया से रूबरू होते हुए बताया कि मुख्यधारा में लौटे इन कैडरों में कंपनी नंबर 10 की सदस्या, एसीएम रैंक के 02 सदस्य और पीपीसीएम रैंक का 01 सदस्य शामिल हैं। सभी ने भारतीय संविधान और लोकतंत्र में आस्था व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण जीवन का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, साथ ही नियद नेल्ला नार योजना ने इन माओवादियों को हिंसा छोड़ने और सामाजिक जीवन में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया। पुलिस, सुरक्षा बल, स्थानीय प्रशासन और जागरूक नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से बस्तर में हिंसा की संस्कृति से संवाद और विकास की संस्कृति की ओर तेजी से बदलाव हो रहा है। इन 04 माओवादी कैडरों का आत्मसमर्पण इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

खास बातें

- राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और पुलिस–बीएसएफ की समन्वित रणनीति आई काम
- माओवादियों ने हथियार डाल लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीने का लिया संकल्प

प्रशासन ने दिए तत्काल 50 हजार रुपए

प्रशासन ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी कैडर के नक्सलियों को 50 हजार की त्वरित आर्थिक सहायता राशि पुनर्वास प्रक्रिया के तहत तत्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। आगे इन्हें शासन की योजनाओं के अंतर्गत सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन हेतु आवश्यक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएँगी।

माओवादी निर्भय होकर लौटें

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलीसेला ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित कर रही है। उनके परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जिएं। उन्होंने आगे कहा कि माओवादी भ्रामक और हिंसक विचारधारा छोड़कर निर्भय होकर समाज में लौटें। पूना मारगेम नीति उनके भविष्य को सुरक्षित और स्वावलंबी बनाने हेतु हर सहायता प्रदान कर रही है।

मुसफरसी मुठभेड़ में शामिल थी काजल

कंपनी नंबर 10 की सदस्य काजल उर्फ रजीता वेड़दा पर 8 लाख का इनाम है। माओवादी कैडर में वर्ष 2021 में भर्ती हुई थी और नवंबर 2024 मुसफरसी मुठभेड़ में शामिल थी, जिसके बारे में बताया कि इस मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर हुए थे।

मदनवाड़ा मुठभेड़ में शामिल थी मंजुला

उत्तर बस्तर डिवीजनल टेक्निकल टीम में एसीएम के रूप में कार्यरत थी और इस पर 5 लाख का इनाम घोषित था। यह 2005 में भर्ती हुई थी और तब से अब तक 16 से अधिक घटनाओं में शामिल रही, जिसमें प्रमुख रूप से मदनवाड़ा घटना 2009 थी, जिसमें 29 जवान सहित एसपी विनोद कुमार चौबे शहीद हुए थे, इसके अलावा 2008 महामाया-दल्ली में आईईडीभ विस्फोट में 3 जवान शहीद हुए थे।

बिनागुंडा मुठभेड़ में शामिल था विलास

डीके टेक्निकल प्लाटून 50 का पीपीसीएम विलास उर्फ चैतु उसेण्डी पर 5 लाख का इनाम घोषित था। यह 1995 में नक्सली कैडर में भर्ती हुआ था। 2007 साधुमिचगांव मोड़ में आईइडी में शामिल था, जिसमें 5 जवान शहीद हुए थे, इसके अलावा मार्च 2025 में पोदेबेड़ा-बीनागुंडा मुठभेड़ में भी शामिल था।

गुमड़ीडीह-कोंडे एंबुश में रामसाय था शामिल

बड़गांव एलओएस उपकमांडर, एसीएम रामसाय उर्फ लखन मर्रापी पर 5 लाख का इनाम घोषित था। यह 2004 में नक्सली कैडर में शामिल हुआ था और तब से अब तक 42 से अधिक नक्सल घटनाओं में शामिल रहा, जिसमें सबसे प्रमुख 2008 गुमड़ीडीह-कोंडे एम्बुश में शामिल था, जिसमें6 जवान शहीद, 2010 भुस्की मोड़ एम्बुश में शामिल था, जिसमें 5 जवान शहीद, 2019 महला एम्बुश में शामिल था, जिसमें 4 जवान शहीद हुए थे। 2024 हिदूर मुठभेड़ में शामिल था, जिसमें 1 नक्सली ढेर हुआ था और 1 जवान शहीद हुआ था।

भारी वाहनों से दुर्गूकोंदल-संबलपुर मार्ग बना जानलेवा, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

दुर्गुकोंदल-संबलपुर-भानुप्रतापपुर मार्ग इन दिनों ग्रामीणों के लिए भय और असुरक्षा का पर्याय बन गया है।

- राहगीर और खासकर स्कूल जाने वाले बच्चे रोज़ाना उठाते हैं जोखिम

सिंगल लेन, संकरी सड़क और उस पर लगातार दौड़ते भारी वाहनों ने इस मार्ग को मानो दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट बना दिया है। स्थिति यह है कि दुपहिया वाहन चालक, पैदल राहगीर और खासकर स्कूल जाने वाले बच्चे रोज़ाना जोखिम उठाकर इस सड़क से गुजरने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की चौड़ाई बेहद कम होने के बावजूद ट्रक और भारी मालवाहक वाहन तेजी से गुजरते हैं, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं। पहले दुर्गुकोंदल से संबलपुर मार्ग में भंडारडिगी के पास भारी वाहनों को रोकने बेरिकेट लगाए गए थे, ताकि उनका संचालन वैकल्पिक मार्ग से हो सके। लेकिन अत्यधिक दबाव के चलते ये बेरिकेट क्षतिग्रस्त हो गए और एक बार फिर ट्रकों की आवाजाही उसी मार्ग पर शुरू हो गई, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ गई है। ग्राम पटेल, पूर्व सरपंच धनेश नरेटी, जनपद अध्यक्ष गोपी बढ़ाई, जनपद सदस्य एवं सभापति सविता उईके, अशोक शोरी, वेद गावड़े, खमेश नरेटी और नंदू कुलदीप समेत अन्य ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए, तो किसी भी समय बड़ी जनहानि हो सकती है। ग्रामीणों की मांग है कि भारी वाहनों पर तत्काल रोक लगाई जाए, क्षतिग्रस्त बेरिकेट की मरम्मत कर पुनः ▶▶| शेष पेज 12 पर

पैचवर्क का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा

लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता आईआर कंवर का कहना है कि जल्द ही सड़क सुधार और पैचवर्क का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, वहीं ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। विभाग की उदासीनता ने ग्रामीणों में आक्रोश और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है।

खड़े वाहन को हटाने की बात पर दो पक्ष भिड़े, थाने में काउंटर रिपोर्ट दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम कोचवाही में गली में खड़े वाहन को हटाने की सामान्य-सी बात ने इतना तूल पकड़ लिया कि मामला देखते-देखते मारपीट तक पहुँच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पिटाई करने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए चारामा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों के विरुद्ध काउंटर केस दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

घटना के संबंध में कोचवाही निवासी कामता प्रसाद साहू पिता लोचन राम साहू ने पुलिस को बताया कि वह धान व्यापारी हैं। 9 दिसंबर को वे अपने पिकअप वाहन से धान लाने मचांदूर गए थे। कोटवार के घर के सामने उन्होंने अपना पिकअप खड़ा कर धान भरना शुरू किया था। उसी दौरान ग्राम कोचवाही निवासी विवेक यादव पिता दिलीप यादव अपना ऑटो लेकर वहाँ पहुँचा और वाहन हटाने की बात कही। कामता प्रसाद के थोड़ी देर इंतजार करने की बात कहने पर विवेक यादव गाली-गलौज करने लगा और रास्ता नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की। कामता प्रसाद का कहना है कि विवाद यहीं समाप्त नहीं हुआ। घर पहुँचने के बाद भी विवेक यादव उनके घर के सामने आकर फिर से गाली देने लगा और पिटाई की, जिससे उनके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। पुलिस ने उनकी शिकायत पर विवेक यादव के विरुद्ध धारा 115(2), 296 और 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। दूसरी तरफ से विवेक कुमार यादव ने पुलिस को शिकायत में ▶▶| शेष पेज 12 पर

मूर्ति खंडित मामले में रिपोर्ट दर्ज, अज्ञात आरोपी की तलाश जारी

कांकेर। सिलतरा में मूर्ति खंडित करने के मामले में प्रभावित की शिकायत पर कोरर पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए विवेचना में ले लिया है। अज्ञात आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई है। थाना कोरर पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ग्राम सिलतरा में असामाजिक तत्वों द्वारा निर्मित दिवगंत डीएसपी देवेन्द्र पोटाई एवं दिवगंत जयराम कड़ियाम के मूर्ति के साथ छेड़छाड़ एवं उसके तोड़े जाने के संबंध में शिकायत आवेदन कोरर पुलिस को मिला था।

शिकायत के संबंध में ग्राम सिलतरा पहुंचकर तस्दीक एवं ग्राम प्रमुखो व ग्रामीणों से पूछताछ कर जांच किया गया। पाया गया कि 5 व 6 दिसंबर कि रात में असामाजिक तत्वों द्वारा ग्राम सिलतरा में आदिवासीयों के लिए आरक्षित शमशान भूमि में आदिवासी समाज एवं परिजनो द्वारा निर्मित दिवगंत डीएसपी देवेन्द्र पोटाई एवं दिवगंत जयराम कडियाम के मुर्ति को तोड़ दिया गया है। उक्त मूर्ति को परिजनों द्वारा तीज त्यौहार व धार्मिक पर्व में आस्था होने के कारण पूजा पाठ किया जाता है, जो उनकी धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की नियत से अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा गुडी (मठ) में स्थित मूर्ति का विखंडित किया गया है। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 299 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

भानुप्रतापपुर में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना शुरू, ग्रामीणों को मिली राहत, उम्मीद हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

ग्रामीण अंचलों में आवागमन को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए

- दूरस्थ गांवों को मिली सुगम यात्रा की सौगात

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत 10 दिसंबर को भानुप्रतापपुर से नई बस सेवा की शुरुआत की गई। लंबे समय से नियमित परिवहन सुविधा का इंतजार कर रहे ग्रामीणों के लिए यह बस सेवा किसी बड़ी राहत से कम नहीं है। शुभारंभ के मौके पर क्षेत्र में उत्साह और हर्ष का माहौल देखने को मिला। अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी, कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरीश मांडवी एवं एसडीएम भानुप्रतापपुर गंगाधर वाहिले ने ग्रामीण बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई बस सेवा भानुप्रतापपुर से कच्चे, किशनपुरी होते हुए कोरर तक संचालित की जाएगी और लौटते समय यही बस कच्चे, पुरी मार्ग से वापिस भानुप्रतापपुर पहुंचेगी। इस रूट पर पहली बार नियमित बस सेवा शुरू होने से शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंच अब ग्रामीणों के लिए और अधिक सुविधाजनक हो गई है। स्थानीय लोगों ने इस पहल को ग्रामीण विकास की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। नई बस सेवा को ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन विस्तार की दिशा में अहम पहल माना जा रहा है। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और दैनिक कार्यों में भी बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

जनपद अध्यक्ष ने कलेक्टर के सामने रखी माँग

इस अवसर पर जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के अध्यक्ष एवं सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रदीप ने कलेक्टर से क्षेत्र के अन्य वंचित मार्गों पर भी बस सेवाएं प्रारंभ करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि कई ऐसे गांव हैं जहां नियमित परिवहन सुविधा नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर क्षीरसागर ने आश्वस्त करते हुए कहा कि ऐसे मार्गों को चिह्नांकित कर शीघ्र ही उन पर भी यात्री बस सेवा शुरू करने का प्रयास किया जाएगा।

वाटरशेड सिद्धांतों पर आधारित तकनीक का किया जा रहा उपयोग

मनरेगा डबरी ग्रामीणों की आजीविका और आय का बना साधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले में मनरेगा के तहत बनाई जा रही आजीविका डबरी अब ग्रामीण परिवारों के लिए जल संरक्षण से आगे बढ़कर कमाई का स्थायी जरिया बन गई है। वैज्ञानिक तरीके से चयनित इन जलस्त्रोतों ने गांवों में पानी की समस्या कम करने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने की नई दिशा दिखा दी है। जल प्रबंधन और ग्रामीण आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी मोर गांव–मोर पानी महाअभियान को मनरेगा का मजबूत सहयोग मिल रहा है। इसी कड़ी में बनाई जा रही निजी आजीविका डबरी ने ग्रामीण हितग्राहियों को आत्मनिर्भरता की राह दिखाने का काम किया है। अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव में डबरियों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि एक ही संरचना से जल भराव, कृषि, मत्स्य पालन और सब्जी उत्पादन जैसे बहुआयामी लाभ ग्रामीणों तक पहुँच सकें।

निजी डबरी निर्माण के लिए ग्राम सभाओं से प्राप्त प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जा रही है। निर्माण कार्यों में भौगोलिक सूचना प्रणाली और क्लर्ट एप का उपयोग कर वाटरशेड सिद्धांतों के अनुसार उपयुक्त स्थलों का चयन किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि डबरी में पर्याप्त जल भराव रहे और उससे जुड़ी आजीविका गतिविधियाँ सालभर सुचारू रूप से चल सकें। आजीविका डबरी मॉडल ने यह साबित किया है कि जल संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण एक-दूसरे के पूरक हैं। स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग से कांकेर के ग्रामीण तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और यह प्रयास अन्य जिलों के लिए भी प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

किसानों की आय बढ़ाने किया जा रहा प्रेरित

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि जिले में इस वित्तीय वर्ष में अब तक 2000 से अधिक निजी डबरी स्वीकृत की जा चुकी हैं। इनमें से 150 से अधिक डबरी पूर्ण हो गई है, वहीं शेष निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि डबरी निर्माण के साथ हितग्राहियों को मछली पालन, फलदार पौधों की रोपाई और सब्जी बाड़ी जैसे कार्यों के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है, जिससे उनकी आय में कई गुना वृद्धि हो।

अस्पताल में युवक की हुई मौत, मर्ग कायम

कांकेर। नरहरपुर थानांतर्गत सीएचसी नरहरपुर में इलाज के लिए लाए धमतरी जिला के केरेगांव निवासी 32 वर्षीय पवन नेताम का मौत हो गया था। अस्पताल से अस्पताली मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतक को इलाज के लिए 9 दिसंबर को अस्पताल मे लाया गया था। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

आरक्षक भर्ती के परिणाम घोषित, 103 युवा हुए चयनित

सुरक्षा व्यवस्था को मिलेगा बड़ा बल, महिला अभ्यर्थियों की उल्लेखनीय सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बस्तर रेंज में आयोजित आरक्षक भर्ती प्रक्रिया 2023–24 के परिणाम आज जारी हुए, जिसमें कोंडागांव जिले के 103 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इससे जिले में पुलिस बल की मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम मिलेगा।

कोंडागांव बना बस्तर रेंज का प्रमुख भर्ती केंद्र बस्तर रेंज में दो भर्ती केंद्र बनाए गए थे। जिनमें भर्ती केंद्र–2 कोंडागांव की विशेष भूमिका रही। इस केंद्र के अंतर्गत नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर जिलों की भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। भर्ती समिति की अध्यक्षता पंकज चन्द्रा, पुलिस अधीक्षक कोंडागांव द्वारा की गई। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पट्टीलिंगम ने कहा कोंडागांव में भर्ती केंद्र स्थापित होने से यहाँ के युवाओं को बड़ी सुविधा मिली। नव–नियुक्त आरक्षक पुलिस सेवा में नया ऊर्जा–संचार करेंगे। कोंडागांव जिले में जन–सेवा उन्मुख पुलिसिंग और अधिक सुदृढ़ होगी। कोंडागांव में 103 युवाओं के चयन की खबर फैलते ही ग्रामीण और नगर क्षेत्रें में खुशी की लहर है। परिजन और अभ्यर्थी पुलिस विभाग में अपने बेहतर भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।

युवाओं ने दिखाई उत्कृष्ट तैयारी

कोंडागांव पुलिस लाइन में 16 नवंबर 2024 से 18 जनवरी 2025 तक दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक नाप–जोख, शारीरिक दक्षता परीक्षण, सफलतापूर्वक संपन्न हुए। कोंडागांव के युवाओं ने इस चरणों में शानदार प्रदर्शन किया। व्यापम द्वारा 14 सितंबर 2025 को आयोजित लिखित परीक्षा में कोंडागांव जिले से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इसके बाद ट्रेड टेस्ट 17–19 नवंबर 2025 में भी कोंडागांव के युवाओं ने अपनी दक्षता साबित की।

कोंडागांव के 103 आरक्षक चयनित

घोषित परिणामों में कोंडागांव जिले से 103 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। इससे जिले की पुलिस क्षमता में वृद्धि होगी और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रें में कानून–व्यवस्था और अधिक प्रभावी होने की उम्मीद है। बस्तर रेंज में कुल 464 महिला अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है। कोंडागांव से भी महिला उम्मीदवारों का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, जो जिले में महिला सशक्तिकरण का मजबूत संकेत देता है।

खबर संक्षेप

शहीद वीर नारायण सिंह को याद किया गया

भानुप्रतापपुर। प्रदेश के प्रथम शहीद और आदिवासी स्वाभिमान के प्रतीक वीर नारायण सिँह क शहादत दिवस पर याद किया गया। गोंडवाना समाज समन्वय समिति एवं अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ भानुप्रतापपुर द्वारा शहादत दिवस मनाया गया। इस दौरान राधेलाल नुरूटी, पारस कुमार उसेंडी, मोहन मांडवी, कामदेव टेकाम, अशोक तेता, मनोज मंडावी, निर्भय कवाची, लालसिंह पोटाई, अशोक ठाकुर, राजेंद्र कुमार सिंधी, ब्रिजबत्ती मतलामी, यशोदा करगा, चंपा ठाकुर, अर्मिला शोरी, निर्मला गावडे, कांति नरेटी, माधुरी हुपेंडी व अन्य उपस्थित रहें।

नवोदय विद्यालय प्रवेश की चयन परीक्षा 13 को

कांकेर। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 13 दिसम्बर को प्रातः साढ़े 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक आयोजित होगी, जिसके लिए बैठक में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा को सफल एवं सुचारू संचालन किए जाने हेतु केन्द्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2024 में 68 सीट तथा 2025 में 63 सीट पर शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चे चयनित हुए थे। वर्तमान में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 हेतु विद्यार्थियों के लिए स्वीकृत कुल 80 सीट हेतु परीक्षा आयोजित की जा रही है। बच्चों को सुरक्षित ढंग से परीक्षा केन्द्र तक लाने एवं ले जाने हेतु शाला के प्रधानाध्यापक नोडल अधिकारी होंगे। संकुल समन्वयकों को सभी प्राथमिक शाला के प्रधानाध्यापकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देश दिए हैं।

राज्य एथलेटिक्स में अकादमी के खिलाड़ियों बढ़ाया गौरव

कांकेर। उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 05 से 06 दिसंबर तक बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में केबीकेएस गोटुल स्पोर्ट्स अकैडमी, कानापोड़ कांकेर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया।

केबीकेएस गोटुल स्पोर्ट्स अकैडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निम्न उपलब्धियाँ हासिल किया, जिसमें द्वितीय स्थान लिकेश्वरी तारम ग्राम खैरखेड़ा, चारामा 10 किमी रनिंग को 43.35 मिनट में पूरा किया। तृतीय स्थान लिकेश्वरी तारम 5 किमी रनिंग को 19.03 मिनट में पूरा किया। तृतीय स्थान चम्पेश मरकाम ग्राम देवगांव, कांकेर 3000 मीटर स्टीपलचेस को 10.52 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा किया। खिलाड़ियों की इस शानदार सफलता के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन तथा अकैडमी की सशक्त प्रशिक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा। खिलाड़ियों को यह उत्कृष्ट प्रदर्शन हासिल करने में कोच प्रभा भगत, भावेश सलाम का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त तुमा कलाकार विश्वकर्मा ने बच्चों को बताए बनाने के गुर

संकुल केंद्र सोनाबाल में तुमा हस्तशिल्प कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

संकुल केंद्र सोनाबाल में आज पारंपरिक कला को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से तुमा हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद प्राथमिक शाला सोनाबाल एवं उच्च प्राथमिक शाला सोनाबाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का संचालन क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कमलादेवी जूनियर राष्ट्रीय पुरस्कार 2016 से सम्मानित तुमा हस्तशिल्पी अनिल विश्वकर्मा एवं उनके सहयोगी कारीगर नगीना विश्वकर्मा, ग्राम किड़ईछेपड़ा ग्राम पंचायत डोंगरीगुड़ा ने किया। अनिल विश्वकर्मा, जिन्हें तुमा शिल्पकला का दिग्गज माना जाता है, ने बच्चों को तुमा से नाइट लैंप, टेबल लैंप, जूलरी, वाल हैंगिंग और कई आकर्षक कलाकृतियाँ बनाना सिखाया।

लौकी से बनता है अनोखा तुमा शिल्प

कार्यशाला के दौरान कलाकारों ने छात्रों को बताया कि तुमा लौकी इस क्षेत्र में सहज उपलब्ध होता है। लौकी को सूखाने के बाद उसकी ऊपरी झिल्ली को हटाया जाता है। इसके बाद अंदर का सूखा हिस्सा निकाला जाता है, जिससे कठोर ढांचा तैयार होता है। फिर पारंपरिक लोहे की नुकीली छुरी और पतले तारों से उस पर सुंदर आकृतियाँ उकेरी जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया को बच्चों ने नज़दीक से सीखा और स्वयं भी कई आकर्षक कलाकृतियाँ बनाकर घर ले गए।

विद्यार्थियों में दिखा उत्साह और रचनात्मकता

विद्यालय के बच्चों ने पूरे जोश के साथ कार्यशाला में भाग लिया। हर बच्चे ने अपनी कल्पनाशक्ति से अलग–अलग डिजाइन तैयार किए। बच्चों में लोककला के प्रति रुचि, रचनात्मकता और कौशल को बढ़ावा देने में यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित हुई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा के अनुरूप पहल

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पारंपरिक ज्ञान, कौशल–आधारित शिक्षा और स्थानीय कला को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी क्रम में संकुल केंद्र सोनाबाल द्वारा इस प्रकार की कार्यशालाएँ निरंतर आयोजित की जा रही हैं। इससे पूर्व शासकीय प्राथमिक शाला खुटपारा सोनाबाल में भी तुमा शिल्प कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला कुम्हारपारा सोनाबाल के छात्रें ने भी भाग लिया था।

ये रहे शामिल

इस सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा जगतराम शोरी, संकुल समन्वयक पुरुषोत्तम दीक्षित, प्रधानाध्यापक, उ.प्रा. शाला सोनाबाल हितेंद्र कुमार श्रीवास, प्रधानाध्यापक, प्रा. शाला खुटपारा ईश्वरी कौमार्य, प्रधानाध्यापक, जनपद प्रा. शाला सोनाबाल शिक्षक चंद्रवंशी, सहायक शिक्षक रोहित मरकाम तथा अन्य शिक्षाक व सहयोगी उपस्थित रहे।

कलेक्टर-एसपी ने किया नगर के दुर्घटनाजन्य स्थलों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

शहर के दुर्घटनाजन्य स्थलों का कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं और पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया द्वारा निरीक्षण कर लोक निर्माण विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता संजय चौहान को गतिरोधक बनाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर के घड़ी चौक का निरीक्षण करते हुए तीन स्थलों पर ब्रेकर बनाने के निर्देश दिए। उसके पश्चात पुलिस पेट्रोल पंप के सामने ब्रेकर बनाने निर्देशित किया गया। शहर के जगदीश मंदिर, परेड ग्राउंड मैदान के सामने, वन मंडल अधिकारी कार्यालय जाने के रास्ते इत्यादि स्थलों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अभयजीत मंडावी, तहसीलदार सौरभ चौरसिया, पीडब्ल्यूडी के एसडीओ बलराम नायक सहित विभिन्न विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे।

बाला मॉडल से बदली आंगनबाड़ी की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

जिले में प्रारंभिक बाल शिक्षा को रोचक, प्रभावी और बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए बाला (Building as Learning Aid) कॉन्सेप्ट आधारित आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण एक सफल नवाचार बनकर उभर रहा है। इस मॉडल में भवन के हर हिस्से दीवार, फर्श, खिड़की, दरवाज़ा और बाहरी परिसर को सीखने का साधन बनाया जाता है, जिससे बच्चे खेल-खेल में ज्ञान प्राप्त कर सकें। अक्षर, संख्याएं, रंग, आकार, प्रकृति और स्थानीय संस्कृति से जुड़े दृश्य प्रभाव

बच्चे में जिज्ञासा बढ़ाते हैं और उनकी स्मरण शक्ति को सुदृढ़ करते हैं। जिले में मनरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा 15वें वित्त आयोग के सहयोग से 81 बाला मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 38 केंद्र पूर्ण हो चुके हैं और शेष पर तेज़ी से कार्य जारी है। हाल ही में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने विकासखंड धमतरी के ग्राम उड़ेना में तैयार नवीन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। लगभग 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह केंद्र बाला कॉन्सेप्ट का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। दीवारों पर स्थानीय जीवन, जीव-जंतु, पेड़-पौधों के चित्र, फर्श पर रंग-बिरंगे आकार और सीढ़ियों पर गिनती जैसी संरचनाएं बच्चों को प्रतिदिन नई सीख प्रदान करती हैं।

बरकाई की जन जागरूकता बैठक में थाना प्रभारी ने सेवा और नियमों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

तहसील सरोना अंतर्गत ग्राम बरकाई में सरोना थाना प्रभारी द्वारा ग्रामीणों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें गांव के नागरिकों को पुलिस विभाग की विभिन्न सेवाओं, कानून-व्यवस्था तथा सड़क सुरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां प्रदान की गईं। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने यह दर्शाया कि लोग कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर जागरूक होने के लिए उत्सुक हैं। थाना प्रभारी मलिक राम केंवट ने कहा कि सुरक्षित समाज की नींव जागरूक नागरिकों से मिलकर बनती है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के परिणामों को विस्तार से समझाया। कि किस प्रकार वे छोटी-छोटी सावधानियों के माध्यम से स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। थाना प्रभारी ने पुलिस विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन, आपातकालीन सेवाओं, चिटफंड धोखाधड़ी से बचाव, साइबर अपराधों की रोकथाम और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में भी ग्रामीणों को अवगत कराया। पुलिस विभाग हमेशा नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर रहता है तथा किसी भी समस्या की सूचना तुरंत देने से अपराधों की रोकथाम में मदद मिलती है। बैठक में ग्रामीणों ने भी विभिन्न समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी मुद्दों को सामने रखा, जिन पर थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी के इस जन-जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से गांवों में सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

बैठक में पूर्व सरपंच प्रमोद मरकाम, बोदे सिंह पोटाई, साधु नाग, ग्राम पटेल प्रीतम राम नाग, ग्राम समिति अध्यक्ष संतराम नेताम, पूनऊ राम नेताम, गायता धर्म नेताम, हुकुम जैन, संतोष जैन, परमेश्वर नाग, तेजू राम नेताम, घटिया राम नेताम सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

छात्र-छात्राओं ने किया हेड पोस्ट ऑफिस का भ्रमण, विभिन्न जानकारियां प्राप्त की

कांकेर। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल सीबीएसई के कक्षा 11वीं कॉमर्स व साइंस छात्र-छात्राओं ने अपने शैक्षणिक भ्रमण के अंर्तगत जिला के मुख्य डाकघर में डाक टिकट, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफाफा, पर्सल, मनी ऑर्डर, रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट एवं लेटर पोस्ट तथा अन्य डाक सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कॉमर्स एवं साइंस के छात्र-छात्राओं ने कांकेर जिला के मुख्य डाकघर का अवलोकन के साथ-साथ लेटर लिखने के बाद पोस्ट किस प्रकार किया जाता है, जिसमें पिन कोड नम्बर का क्या महत्व होता है। डाक टिकट का उपयोग, पर्सल किस तरह पेक किया जाता, उसे किस तरह पोस्ट के द्वारा भेजा जाता, मनी ऑर्डर किस तरह किया जाता है, स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री पोस्ट इन सब के बारे में व्यवहारिक एवं प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त किया। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने दैनिक जीवन के कार्य में आने वाले डाक से संबंधित विभिन्न चीजों का अवलोकन कर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए अपने सब्जेक्ट और अधिक ज्ञान लाभ प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक नवीन चीजों का ज्ञान प्राप्त किया। सभी छात्र-छात्राएं इस शैक्षणिक भ्रमण के द्वारा अपने इस विषय का प्रोजेक्ट तैयार करेंगे। मुख्य डाकघर के समस्त कार्मचारियों ने बहुत की सरल तरीके से सभी छात्र-छात्राओं को उनका उत्साह बढ़ाते हुए प्रत्येक डाक सामग्री का अच्छी तरह से जानकारी प्रदान कर सम्पूर्ण काउंटर का भ्रमण कराया गया, जिसमें छात्रों ने अत्याधिक रूची दिखाई एवं सभी स्टाफ एवं कर्मचारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

लोहत्तर में वॉटरशेड महोत्सव मनायापराली प्रबंधन पर दी गई समझाइश

कांकेर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वॉटर विकास घटक के तहत ग्राम लोहत्तर में वॉटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल एवं मृदा संरक्षण की विभिन्न तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि जल संकट से निपटने तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए वॉटरशेड आधारित कार्य महत्वपूर्ण हैं।

महोत्सव के दौरान मृदा वैज्ञानिक द्वारा मिट्टी परीक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन से मिट्टी की उपज क्षमता बढ़ती है और लागत में भी कमी आती है। साथ ही दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए उपयुक्त तकनीकों तथा जल संरक्षण उपायों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पराली (पैरा) प्रबंधन को भी प्रमुखता से समझाया गया, जिसमें खेतों में पराली जलाने से होने वाले नुकसान तथा वैज्ञानिक ढंग से उसके उपयोग के लाभ बताए गए। अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी, वाटरशेड परियोजना के कर्मचारी, ग्रामीण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। वॉटरशेड महोत्सव ने ग्रामीणों में जल और मृदा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

औषधीय खोज के लिए कलेक्टर ने भूयांश को किया सम्मानित

कांकेर। रोफरा ग्राम खमढोड़गी एवं प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा द्वारा कुरूमारी पहाड़ में आयोजित दो दिवसीय औषधीय पौधों की खोज यात्रा का समापन हुआ।

इस अवसर पर कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जेएस पब्लिक स्कूल कांकेर के विद्यार्थी भूयांश मंडावी को उत्कृष्ट खोजी विद्यार्थी सम्मान से सम्मानित किया। विभिन्न जिलों से आए

विद्यार्थियों, शिक्षकों और वनस्पति विशेषज्ञों ने दो दिनों तक पर्वतीय क्षेत्र में भ्रमण कर दुर्लभ औषधीय पौधों की पहचान और संरक्षण पद्धतियों का अध्ययन किया। कलेक्टर ने कहा कि प्रकृति से सीखा ज्ञान सबसे जीवंत और सार्थक होता है। अजय कुमार मंडावी व डॉ. पल्लवी क्षीरसागर ने जनजातीय औषधीय परंपरा और वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला।

कोंडागांव बालक छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

मानव अधिकार दिवस पर छात्रों को दी गई विधिक जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

- मानवाधिकार दिवस पर विशेष आयोजन

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर 10 दिसंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव द्वारा बालक छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्ष किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रतिधाकर

अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट ने विद्यार्थियों को मानवाधिकार, बाल संरक्षण कानून, साइबर सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, बालश्रम निषेध, लैंगिक समानता और अन्य संवैधानिक अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। स्वयं को किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा या उत्पीड़न से सुरक्षित रखने तथा ऐसी स्थिति आने पर उपलब्ध विधिक सहायता साधनों का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

छात्रावास स्टाफ व विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति

कार्यक्रम में अधिकार मित्र रविन्द्र बघेल, रंजन बैध, लोकेश यादव, छात्रावास के अधीक्षक एवं सभी छात्र उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

पेज 11 के शेष

भारी वाहनों से...

स्थापित किया जाए और भारी वाहनों का संचालन वैकल्पिक मार्ग के माध्यम से अनिवार्य किया जाए। सड़क की हालत भी इतनी खराब हो चुकी है कि जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, किनारे उखड़ गए हैं और बारिश के बाद भी कोई सुधार कार्य नजर नहीं आता। फिसलन और खराब मोड़ों के कारण वाहन नियंत्रण खो देते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने तत्काल पैचवर्क, मरम्मत और मोरमीकरण की आवश्यकता बताई है।

खड़े वाहन को...

बताया कि वह डोकला से धान बेचकर ऑटो से लौट रहे थे। मचांदूर की गली में कोटवार घर के पास कामता साहू ने पिकअप खड़ा कर रास्ता रोक रखा था। जल्दी होने के कारण उन्होंने वाहन हटाने को कहा, लेकिन कामता ने मना कर दिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। विवेक ने आरोप लगाया कि घर पहुँचने पर भी कामता ने फिर से उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके गले व शरीर पर चोटें आईं। उनकी शिकायत पर पुलिस ने कामता प्रसाद साहू के खिलाफ भी इन्हीं धाराओं में मामला दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रमों की शुरुआत

बीजापुर। जिला कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की प्रथम वर्षगांठ पर द्वितीय चरण के रूप में 100 दिवसीय जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। बाल विवाह उन्मूलन को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से जिलेभर में व्यापक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। अभियान का मुख्य लक्ष्य बच्चों, बालिकाओं, महिलाओं एवं समुदाय को बाल विवाह के दुष्परिणाम, उनके अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि जिले को बाल विवाह मुक्त बनाया जा सके। वर्ष 2025-26 में जिले की 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त बनाना लक्षयित है।

मनरेगा से बदला बांगोली का जीवन

बीजापुर। भैरमगढ़ विकासखंड के इंद्रावती नदी पार स्थित नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत बांगोली गांव के ग्रामीणों को अब राशन के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। वर्षों से माओवाद प्रभावित इस क्षेत्र के बांगोली, सतवा और मरकापाल के निवासियों को प्रतिमाह 18 किलोमीटर दूर भैरमगढ़ जाकर उचित मूल्य की दुकान से राशन प्राप्त करना पड़ता था। बरसात के दिनों में इंद्रावती नदी पार करना अत्यंत जोखिमपूर्ण हो जाता था जिससे 524 राशनकार्डधारी परिवारों को नियमित खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जिला प्रशासन की पहल तथा महात्मा गांधी नरेगा योजना और जिला खनिज न्यास निधि के संयुक्त सहयोग से ग्रामीणों की यह बड़ी समस्या अब समाप्त होने जा रही है। लगभग 11 लाख 76 हजार रुपये की लागत से बांगोली में खाद्यान भंडारण सह उचित मूल्य दुकान भवन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स में वार्षिक सुरक्षा समारोह मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

रवींद्र नारायण अधिशासी निदेशक ने प्रशासनिक भवन के प्रांगण में सुरक्षा ध्वज फहराकर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा शपथ दिलाई। डीजीएमएस द्वारा गठित निरीक्षण दल ने किरंदुल परियोजना की खदान, संयंत्रों, प्रशिक्षण सुविधा और ओएचएस सुविधा का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा के उच्च मानक बनाए रखने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की सराहना की।

वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह के दौरान सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों, छात्रों और गृहिणियों के लिए विभिन्न सुरक्षा संबंधी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डीएवी स्कूल, किरंदुल के सभागार में संध्या आयोजित वार्षिक खान सुरक्षा समारोह के दौरान मुख्य अतिथि रविंद्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, साथ ही छात्रों और कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा नाटक का मंचन किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण अधिशासी निदेशक, बीआईओ एम., किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए तथा स्वास्थ्य, सुरक्षा मानक में और सुधार के लिए सुरक्षा संस्कृति पर जोर दिया जाए। श्रमिक प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया और कार्यस्थल पर सुरक्षा के उच्च स्तर बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान केपी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन, एसके कोचर, महाप्रबंधक खनन/खान प्रबंधक, सभी विभागाध्यक्ष, वरि.अधिकारीगण, श्रमिक प्रतिनिधि, वर्कमेन इंस्पेक्टर, सुरक्षा समिति के सदस्य, कर्मचारी व स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रितेश मिश्रा, उप महाप्रबंधक खनन ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक प्रशि.व सुरक्षा ने किया।

कोलावल के मेले में पहुंचे विधायक

देवी-देवताओं की पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत कोलावल में आयोजित पौश मेला में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल शामिल हुए। मेले के पारंपरिक आयोजन को देखने के लिए पहुँचकर विधायक ने मेला परिसर का विस्तृत भ्रमण किया तथा मंदिर स्थल तक पहुँचकर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न गाँवों से लाए गए देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामनाएँ भी की।

विधायक लखेश्वर बघेल ने मेले में आए आमजनों से आत्मीय भेंटकर उनकी कुशलक्षेम पूछी और पौश मेले की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मेला घूमते हुए विभिन्न दुकानों से स्थानीय उत्पाद भी क्रय किए। मेले में उपस्थित उड़ीसा राज्य के शिल्पकार विश्कर्मा की दुकान से उन्होंने सबल, कुल्हाड़ी, फावड़ा जैसे औजार भी खरीदे। यह कदम न केवल स्थानीय और पारंपरिक कारीगरी के समर्थन का संदेश देता है, बल्कि यह भी प्रदर्शित करता है कि बघेल क्षेत्र को एक विकसित विधानसभा बनाने के साथ–साथ ग्रामीण जीवन, खेती-बाड़ी और गृहस्थ संस्कृति के उत्थान पर भी विशेष ध्यान देते हैं। पौश मेले में उनकी उपस्थिति से ग्रामवासियों में उत्साह देखते ही बना, वहीं उनके सरल व आत्मीय व्यवहार ने कार्यक्रम के वातावरण को और भी सौहार्दपूर्ण बना दिया।

शिव महापुराण कथा में शिव पार्वती विवाह प्रसंग में श्रद्धालु जमकर झूमे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

शिव महापुराण कथा के चौथे दिन मंगलवार को शिव पार्वती विवाह प्रसंग में श्रद्धालुओं ने विवाह गीतों पर जमकर नृत्य किया।

कथावाचक पंडित नारायण महाराज जी ने अपने ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को मंत्र मुक्त कर दिया। उन्होंने श्लोक और भावपूर्ण गीतों के माध्यम से शिव पार्वती विवाह प्रसंग पार्वती जी का तप का विस्तृत वर्णन किया। शिव पार्वती विवाह की गाथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूमने लगे। कार्यक्रम में शिव पार्वती विवाह के दौरान बेंड बाजा से बारात कथा स्थल पर पहुंचे तत्पश्चात हल्दी लगाकर आतिशबाजी कर पुष्प वर्षा से पूरे वातावरण को भक्ति मय बना दिया।इस दौरान सैकड़ो की संख्या में आसपास गांव से ग्रामीण व नगरवासी जमकर झूमकर नृत्य किये। नगर में भक्ति में वातावरण का माहौल देखने को मिल रहा है।

विद्यार्थियों ने सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक दंतेवाड़ा के तत्वावधान में ग्राम जावंगा में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सामाजिक दायित्वों एवं ग्रामीण विकास के प्रति सक्रिय भागीदारी

■ प्रेरणादायी फिल्म का प्रदर्शन किया गया

निभाई। शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम के आंगनबाड़ी केंद्र, आरोग्य मंदिर तथा प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाया तथा स्वच्छ ग्राम–स्वस्थ ग्राम का संदेश दिया। चौथे दिन ग्राम पंचायत जावंगा के सरपंच बोंमड़ा राम कवासी ने शिविर स्थल पर पहुँचकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं की भूमिका, ग्राम विकास के महत्व और नशामुक्त समाज के निर्माण पर अपने प्रेरक विचार साझा किए। उनके उद्बोधन से स्वयंसेवकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। इसके पश्चात जावंगा मिडिल स्कूल के बच्चों के लिए प्रेरणादायी फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षक नंदलाल ठाकुर, पार्वती कश्यप एवं संतोष कुमार सिंह उपस्थित रहे। बच्चों ने उत्साहपूर्वक फिल्म देखी और इससे जीवन मूल्य, लक्ष्य निर्धारण तथा सकारात्मक सोच की प्रेरणा प्राप्त की। एनएसएस शिविर के इन गतिविधियों ने ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, जिम्मेदारी और सामुदायिक सहयोग की भावना को और अधिक मजबूत किया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हुआ प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा और टीआरआईएफ के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के अंतर्गत सीएलफ -एचआर एवं एनआरएलएम से जुड़ी कृषि सखी एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रगतिशील किसान हरसिंह ओयामी के खेत में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्राकृतिक खेती की तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर स्थानीय किसानों को आत्मनिर्भर बनाना तथा मिट्टी और फसल स्वास्थ्य में सुधार लाना था। प्रशिक्षण का शुभारंभ कृषक हरसिंह ओयामी के सादर स्वागत से हुआ। कार्यक्रम में एसआरएलएम रायपुर से अशुतोष मिश्रा मुख्य वक्ता बने। मिश्रा ने प्राकृतिक खेती के सिद्धांत, लाभ और इसे अपनाने के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती लागत घटाकर किसान की आय में बढ़ोतरी तथा जमीन की उपजाऊ शक्ति बरकरार रखने में सहायक है। कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा के वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण निषाद ने छोटे उपयोगी उपकरणों का प्रायोगिक परिचय दिया। उन्होंने इन उपकरणों के चयन, रख-रखाव और फील्ड में इस्तेमाल के तरीकों पर विशेष ध्यान दिया ताकि महिलाएं और छोटे किसान भी इन्हें सहजता से प्रयोग कर सकें। दो दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागी दीदियों को विभिन्न विषयों पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस कराई गई, जिसमें प्रमुख रूप से प्राकृतिक खेती की बुनियादी समझ और इसके वैज्ञानिक आधार को लोक-स्तर पर फैलाना। मल्टी-लेयर क्रॉपिंग, मल्चिंग व नेचुरल वेस्ट डी-कंपोजर जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना। प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन की ऐसे विधियाँ सिखाना जो रासायनिक दवाओं पर निर्भरता घटाएं। महिला कृषकों (कृषि सखी) और समूहों को उपकरण उपयोग में दक्ष बनाकर उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाना शामिल थे। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों ने इन तकनीकों का प्रत्यक्ष अभ्यास किया और प्राकृतिक खेती में इनके महत्व को समझा। कार्यक्रम में टीआरआईएफ की ओर से सौरभ दत्ता, निखिल वर्मा, सालेहिन खान तथा मौसम रहंगडाले सहित धरतीमाता सीएलफ के पदाधिकारी उपस्थित रहे और प्रशिक्षण के संचालन में सक्रिय योगदान दिया।

बस्तरिया राज मोर्चा का धरना कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले में धान खरीदी की धीमी रफ्तार और किसानों की बढ़ती समस्याओं को लेकर बस्तरिया राज मोर्चा ने बुधवार को शबरी ऑडिटोरियम के पास धरना किया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने

■ खरीदी केंद्र खोलने व अवधि बढ़ाने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग

कलेक्टर के नाम 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपते हुए नई खरीदी केंद्र खोलने, खरीदी अवधि बढ़ाने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की।

धरने में शामिल किसानों ने आरोप लगाया कि केंद्रों पर छोटे और आदिवासी किसानों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, जबकि बड़े किसानों और बिचौलियों को तरजीह मिल रही है। किसानों ने धान की जांच के दौरान पानी में डुबोकर टेस्ट करने और अनुचित बोरी तौल व अतिरिक्त शुल्क वसूली पर कड़ी आपत्ति जताई।

मोर्चा के प्रभारी रामा सोढ़ी, सचिव गंगा बघेल और ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम वट्टी ने आरोप लगाया कि इस बार खरीदी देर से शुरू होने के कारण किसान तय अवधि में पूरा धान नहीं बेच पाएंगे। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कोर्रा, बुडदी और कोण्डरे पंचायतों में नए खरीदी केंद्र खोलने की मांग वर्षों से लंबित है। किसानों को अब भी 15–20 किमी दूर जाकर धान बेचना पड़ रहा है, जिससे परेशानी बढ़ती जा रही है।

निर्माण कार्यों की प्रगति पर कलेक्टर ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज कलेक्टरेट सभाकक्ष में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतू निर्माण तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने बैठक की शुरुआत जिले में चल रही प्रमुख सेतू निर्माण परियोजनाओं से की, जिनमें गीदम बायपास रोड से बागावाड़ी मार्ग स्थित डंकनी नदी पर उच्च स्तरीय पुल, बिंजाम से फरसपाल मार्ग पर शंखनी-डंकनी नदी पर बन रहे पुल तथा पोन्दुम से दाबपाल मार्ग पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल शामिल हैं। उन्होंने इन सभी कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी लेते हुए ठेकेदार एजेंसियों को कार्य की गति बढ़ाने, गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न आने देने तथा सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही उन्होने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित डीएमएफ मद अंतर्गत स्वीकृत ग्रामीण सड़क परियोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। धुरली मुख्य मार्ग से मुण्डीपारा तक सीसी सड़क, बारसूर-पल्ली मार्ग से उदेनार सड़क तथा मुख्य मार्ग से कोरकोटी तक बीटी सड़क निर्माण जैसे कार्यों की प्रगति पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त करते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

चिपुरभट्टी में पहली बार बना पक्का घर

बुढ़ापे का सहारा बनी प्रधानमंत्री आवास योजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

अंधकार कितना भी गहरा हो, आशा की एक किरण उसे मिटा देती है। इसी कहावत को चरितार्थ किया है उसूर विकासखंड के नक्सल प्रभावित नियद नेल्लानार ग्राम चिपुरभट्टी की 74 वर्षीय रामबाई ने, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ने नई रोशनी भर दी है।

वर्षों से नक्सली दहशत झेल रहे इस गांव में सरकारी योजनाएँ लागू होना मुश्किल था। न तो विकास कार्य हो पाते थे और न ही कोई निर्माण। लेकिन नियद नेल्लानार कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही हालात बदले, और पहली बार गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनने का रास्ता खुला। बुजुर्ग रामबाई ने अपने दो पुत्रों को बीमारी के कारण खो दिया था। बहू और चार पोतों की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। टूटी-फूटी झोपड़ी में रहकर जीवन संघर्ष बन गया था। रामबाई बताती हैं सोचा नहीं था कि हमारे जीवन में भी कभी खुशी आएगी। माओवादी दहशत से गांव में कोई काम नहीं होता था। वित्तीय वर्ष 2024–25 में जब 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि से पीएम आवास स्वीकृत हुआ, तो ऐसा लगा जैसे जीवन में नई उम्मीद मिल गई। आज उनका पक्का घर बनकर तैयार हो चुका है और यह गांव का पहला स्वीकृत और पूर्ण हुआ आवास है। वे इसे बुढ़ापे का सबसे बड़ा सहारा बता रही हैं।

लखमू पनिक को भी मिला आवास, बदले हालात

इसी क्रम में गांव के लखमू पनिक को भी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत हुआ है। पत्नी के निधन के बाद उन्होंने अकेले बेटे की परवरिश की और 2 एकड़ जमीन में खेती कर परिवार को संभाला। आज उनका बेटा विवाहित है और घर में पोते के कदमों की खुशियाँ हैं।

लखमू ने कहा कि सरकार की मदद से अब हमारे पास भी पक्का घर होगा। यह सिर्फ मकान नहीं, बल्कि हमारे परिवार की सुरक्षा और सम्मान है।

नक्सल प्रभावित गांव में विकास की नई शुरुआत

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले इन दो आवासों ने न सिर्फ दो परिवारों का जीवन बदला है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की रोशनी लगातार फैल रही है। नियद नेल्लानार कार्यक्रम ने इस बदलाव को नई रफ्तार दी है।

सीएमएचओ ने स्वास्थ्य केंद्र कुरंदी व तिरिया का किया औचक निरीक्षण

जगदलपुर। कलेक्टर हरीश एस. के निर्देश पर और आगामी दिनों में होने वाले पल्स पोलियो अभियान 21 से 23 दिसंबर तक की तैयारी का जायजा लेने मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी मैत्री ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुरंदी और तिरिया का दौरा किया। दोनों ही पीएचसी में आईएलआर और डीप फ्रीजर की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक पोलियो वैक्सीन की आवश्यकता तथा पल्स पोलियो अभियान में लगने वाले टीमों के बारे जानकारी संस्था प्रभारी सपना आडवाणी और किरण चंद्राकर से प्राप्त की। साथ ही प्रत्येक बूथ में कुल कितने बच्चे लाभान्वित होंगे और कितनी पोलियो की दवाई और कितने सुपरवाइजर और कितनी मितानीन इस अभियान में अपना सहयोग देगी की रूपरेखा प्रभारी से मांगी गई। जिला वैक्सीन भंडार में प्राप्त हुए पोलियो की

वैक्सीन का वितरण सभी वैक्सीन वितरण केंद्रों में दिया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. जीशान खान और वरिष्ठ एनएमए मतीन खान, प्रेमनाथ, राजेश तिवारी, पर्यवेक्षक सोहन कश्यप, शीला नायक लैब टेक्नीशियन अपने सभी अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे। पीएचसी तिरिया में उपलब्ध एंबुलेंस को पल्स पोलियो अभियान में कार्य लेने के लिए जिला टीकाकारण अधिकारी द्वारा तिरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी को निर्देशित किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरिया में प्रभारी आरएमए किरण चंद्राकर, नेत्र सहायक अधिकारी रायमन बघेल अपने साथी स्टाफ नर्स के साथ शामिल रहे।

समक्ष- श्रीमान नोटरी महोदय कांकेर जिला कांकेर छ.ग.

शपथ पत्र

शपथकर्ता:- मानकी बाई पति देवकरण उम्र 65 वर्ष जाति रावत निवासी ग्राम पंडरीपानी कांकेर तहसील एवं जिला कांकेर छ.ग., मै उपरोक्त शपथकर्ता शपथपूर्वक निम्न कथन करता/करती हूँ कि

1. यह कि मेरा नाम एवं पता उपरोक्तानुसार है।
2- यह कि मेरे नाम से भूमि जिसका खसरा नम्बर 21 / 10 रकबा 0.730 प.ह.न. अर्थात 10 डिसमिल भूमि पंडरीपानी कांकेर तहसील एवं जिला कांकेर छ.ग. में स्थित है।
3. यह कि उक्त भूमि का रजिस्ट्री कराया गया है उक्त रजिस्ट्री कापी को लेमिनेशन कराया गया है और लेमिनेशन कापी के आधार पर मै इसके मोरगेज करके एस.बी.आई. बैंक 00401 से लोन प्राप्त करना चाहती हूँ
4. यह कि उक्त भूमि जिसकी चतुर्भुज सीमा निम्नानुसार है मोहन पिता मेघली की भूमि, दक्षिण दिशा में मुख्य मार्ग, पूर्व मे मोहन पिता मेघ जी की भूमि, पश्चिम दिशा में आवेदिका के बचत शेष भूमि है जिसका रजिस्ट्री पेपर लेमिनेशन हुआ है जिसकी सूचना दैनिक अखबार के माध्यम से दे रही हूँ।
5. यह कि यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की दावा आपत्ति करना हो तो 15 दिवस के भीतर एसबीआई बैंक शाखा कांकेर 00401 में कर सकता है।
6. यह कि उक्त आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सत्यापन शपथकर्ता

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यापित करती हूँ कि इस लेख कंडिका 01 से 05 तक में लिखि तथ्य मेरी नीजि जानकारी से सत्य एवं सही है जिसे आज दिनांक 10/12/2025 को स्थान कांकेर में पढकर अपना हस्ताक्षर कि हूँ।

मानकी बाई
सत्यापनकर्ता

खबर संक्षेप

पीजी कॉलेज में मनाया मानव अधिकार दिवस

कांकेर। भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मानव अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विधि विभाग, कला संकाय एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कांकेर के संरक्षक एवं प्राचार्य डॉ. सीआर पटेल के निर्देशन में 10 दिसंबर को विधि विभाग द्वारा मानव अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. एलआर सिंहा विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विशेषज्ञ के रूप में एसआर दर्रो, डॉ. नमिता कुजूर, डॉ. अनुपमा पटेल, प्रियंका टोप्पो, डॉ. प्रीति वैष्णव, डॉ. शिवेन्द्र कुमार धुर्वे, लुब्धेश्वरी, शहाना शेख आदि इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मोहन सिंह, आदित्य मिश्रा, लेखनी मिश्रा, अंजलि साहू, अंजिता कांगे, लोकेश्वरी कोरमा, पंकज नाग, प्रखर शर्मा आदि छात्र-छात्राओं ने मानव अधिकार दिवस पर अपनी प्रस्तुति दिया।

धान खरीदी लिमिट बढ़ाने की मांग, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

दुर्गूकोंदल। हाटकोंदल एवं कोड़ेकुर्से लैंपस क्षेत्र के किसानों ने धान खरीदी केंद्रों में प्रतिदिन निर्धारित लिमिट बढ़ाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा। किसानों का कहना है कि वर्तमान खरीदी व्यवस्था में कम लिमिट के कारण टोकन जारी नहीं हो पा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है तथा किसान रोजाना लैंपस के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। हाटकोंदल में धान खरीदी की 750 क्विंटल प्रतिदिन लिमिट निर्धारित है, जो बहुत कम है वहीं कोडेकुर्सी लैंपस में प्रतिदिन 900 क्विंटल की लिमिट है, जो बहुत कम है। लिमिट को बढ़ाने की जरूरत है।

पुलिस आरक्षक भर्ती में 43 अभ्यर्थियों का चयन

कांकेर। जिला प्रशासन कांकेर की अभिनव पहल मावा मोदोल निःशुल्क कोचिंग संस्थान में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती में मावा मोदोल से अब तक प्राप्त परिणाम में 43 छात्रों का चयन हुआ है। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने सभी चयनित अभ्यर्थियों, उनके पालकों तथा मावा मोदोल की टीम को बधाई देते हुए कहा कि मावा मोदोल जिला प्रशासन की एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने मावा मोदोल की पूरी टीम को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी हैं तथा आगे भी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मावा मोदोल को मील का पत्थर साबित होने की बात कही है।

सुखई में 13 को लगेगा गोल मेला

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोदल अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखई में महाविद्यालय द्वारा संचालित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन अवसर पर 13 दिसंबर शनिवार को पारंपरिक गोल मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले में बच्चों और युवाओं के लिए विविध मनोरंजक गतिविधियाँ, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प और पारंपरिक खेलों की भी व्यवस्था की जाएगी। आयोजन समिति से ग्राम गायता तुलसी महावे, ग्राम पटेल बज्जूराम कोमरा एवं अन्य ग्रामीण भी मदद कर रहे है।

चारगांव में जिला स्तरीय जसनि शिविर 12 को

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले के आम नागरिकों की आवश्यकताओं, शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 12 दिसम्बर शुक्रवार को कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चारगांव में जनसमस्या निवारण शिविर शिविर लगाई जाएगी, जिसमें ग्राम पंचायत चारगांव, छोटेबोदेली, पोरोण्डी, सिकसोड़, सुलंगी, तुरसानी और बदरंगी इत्यादि ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल होंगे। शिविर में शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

धान खरीदी

सुरक्षा व्यवस्था के साथ घेरा और कंप्यूटराइज्ड घर का सुचारु संचालन

धान खरीदी व्यवस्था में सुधार से किसानों को मिल रही है राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कापसी

राज्य शासन द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को अधिक सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए किए गए प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब गांव-गांव में दिखाई देने लगा है। कोरेनार सेवा सहकारी समिति अंतर्गत इरपानार फड़ में धान बेचने पहुंचे किसान सुजीत गोलदार ने बताया कि इस बार खरीदी केंद्रों में केंद्र प्रभारी के द्वारा सही तौल, भुगतान की विश्वसनीय व्यवस्था और सुविधाओं में सुधार के कारण क्षेत्र के किसानों को काफी सहूलियत मिल रही है।

जिले के कोयलीबेड़ा विकासखण्ड अंतर्गत इरपानार धान खरीदी केन्द्र में किसान जगन्नाथ शील,मृत्युंजय विस्वास,विशाखा बढ़ाई,दिलीप विस्वास, गोबिंद मंडल, सुजीत साहा, जीवन शील ने कहा कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की स्पष्ट व्यवस्था, टोकन प्रणाली का बेहतर संचालन और खरीदी केंद्रों में स्टाफ की उपलब्धता ने प्रक्रिया को पहले की तुलना में काफी सुगम बना दिया है।

इसके कारण किसानों को समय की बचत के साथ-साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा भी मिल रहा है। धान विक्रय करने टोकन कटवाने की बात कही और मंगलवार को सुबह धान लेकर धान खरीदी केन्द्र पहुंचा है। यहां तौल करवाने के लिए बारदाने सहित हमाल भी उपलब्ध हैं। किसानों के लिए पेयजल और बैठने की व्यवस्था के साथ धान खरीदी केंद्र की व्यवस्था को पर्याप्त निरूपित किया। इस वर्ष बेमौसम की मार से धान की फसल को काफी नुकसान हुआ है। लेकिन धान खरीदी केन्द्र की व्यवस्था से उन्हें धान बेचने में आसानी हो रही है।

इरपनार के धान खरीदी केन्द्र प्रभारी राज सइयाल ने बताया कि इस वर्ष खरीदी सीजन में कोरेनार लैम्पस की ओर से पर्याप्त बारदाना, तिरपाल अन्य व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वहीं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किसानों को उनके धान की तौल और भुगतान की पूरी पारदर्शी जानकारी उपलब्ध हो रही है। इस धान खरीदी केन्द्र में पीवी 107, 109, ओरछा, इरपनार गांव सहित लगभग 18 हजार क्विंटल धान विक्रय के लिए किसानों ने पंजीयन करवाया है।

कोरेनार समिति प्रभारी प्रबंधक सुभाष विस्वास ने बताया कि इस वर्ष धान खरीदी के लिए सभी तैयारियाँ पूर्ण की गई हैं। तौल-कांटा,बोरा उपलबधता, व्यवस्थित लाइन,सुरक्षा व्यवस्था के साथ घेरा और कंप्यूटराइज्ड घर सभी सुचारू रूप से संचालित किए जा रहे हैं। किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए केंद्र में देखरेख हेतु कर्मचारी को तैनात कर दिए गए हैं साथ ही केंद्र प्रभारी को किसानो के सहूलियत के साथ ही धान तौल में पारदर्शीता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

किसान संघ का निरीक्षण, खरीदी प्रक्रिया की ली जानकारी और किसानों ने रखी समस्याएं

दुर्गुकोंदल। आदिम जाति सहकारी समिति दमकसा लेम्पस क्षेत्र में संचालित धान खरीदी केंद्र का किसान संघ के पदाधिकारियों एवं किसानों के दल ने निरीक्षण किया। इस दौरान शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। किसानों से टोकन प्रक्रिया, बारदाना उपलब्धता, तौल संचालन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई तथा केंद्र में मौजूद मूलभूत सुविधाओं का भी परीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में किसान संघ के अध्यक्ष पूनऊराम दुग्गा, उपाध्यक्ष नंदकिशोर नेताम, सचिव बाबूलाल कोला, सदस्य बृजलाल चुरेंद्र, जनपद प्रतिनिधि एवं कृषि सभापति सोमदेव कोरेटी, झूमुक गावड़े, प्रताप कोरेटी, अनिल कोमरा, शिव आंचला सहित अनेक किसान लोग उपस्थित रहें। सभी ने केंद्र पहुंचकर खरीदी की प्रगति, किसानों के पंजीयन, टोकन वितरण और बारदाना की उपलब्धता पर विस्तार से जानकारी ली। किसानों ने समिति के पदाधिकारियों को बताया कि कई बार टोकन मिलने में देरी होती है, जिससे धान की आवक प्रभावित होती है। वहीं बारदाना की कमी भी समय-समय पर परेशानी पैदा करती है। किसानों का कहना था कि धान खरीदी के चरम समय में बारदाना की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी को इंतजार न करना पड़े। कुछ किसानों ने तौल मशीन की गति और कतार व्यवस्था पर भी सुधार की आवश्यकता बताई।

निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार खरीदी सुचारू रूप से चल रही है और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। बारदाना की आपूर्ति जल्द सामान्य होने की जानकारी भी दी गई। पदाधिकारियों ने खरीदी व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव दिए तथा कहा कि किसानों के हित में पारदर्शी एवं त्वरित प्रक्रिया सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

किसान संघ अध्यक्ष ने कहा कि खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाता रहेगा ताकि किसी भी समस्या का समाधान समय पर हो सके। समिति प्रबंधकों व कर्मचारियों से कहा कि किसानों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार कर उनकी समस्याओं का तत्काल निपटारा किया जाए। किसान साथियों ने निरीक्षण के इस प्रयास की सराहना की और उम्मीद जताई कि समिति तथा प्रशासन के सहयोग से इस वर्ष धान खरीदी प्रक्रिया अधिक सुचारू एवं व्यवस्थित रहेगी।

बांसला धान खरीदी केंद्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भानुप्रतापपुर। बांसला स्थित धान खरीदी केंद्र का 10 दिसंबर को जिला कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर ने निरीक्षण किया। कलेक्टर के पहुंचने पर ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र में की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। तौल प्रक्रिया, भंडारण, सुरक्षा व्यवस्था तथा किसानों के लिए सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी लिया। ग्रामवासियों ने बताया कि केंद्र के शुरू होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है, अब उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखेगा।

धान खरीदी केंद्र की लिमिट बढ़ाने किसानों की मांग तेज

दुर्गुकोंदल। आदिम जाति सहकारी समिति दुर्गुकोंदल के अंतर्गत संचालित ग्राम कोड़े धान खरीदी केंद्र में प्रतिदिन खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्गुकोंदल के अंतर्गत ग्राम कोड़े के बूथ प्रभारी एवं अध्यक्ष ने शासन-प्रशासन से तत्काल आवश्यक कदम उठाने की अव्हान किया। बूथ प्रभारी एवं अध्यक्ष हरिश्चंद्र कावड़े उन्होंने बताया कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी तो जारी है, परंतु ग्राम कोड़े केंद्र में वर्तमान में केवल 750 क्विंटल प्रतिदिन की लिमिट निर्धारित है, जो किसानों की संख्या और उपज के हिसाब से बेहद कम है। इस कारण किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहा है और पूरा गांव परेशान है। धान खरीदी केंद्र की क्षमता को बढ़ाकर 1500 क्विंटल प्रतिदिन करने की मांग की है। क्षेत्र के सभी किसान अपनी मिंजाई पूरी कर चुके हैं, लेकिन टोकन जारी न होने से वे धान बेच नहीं पा रहे हैं। धान खुले में रखे होने से खराब होने की आशंका भी बढ़ गई है। क्षेत्र के किसानों ने भी खरीदी लिमिट में तत्काल वृद्धि की मांग की है, ताकि समय पर धान विक्रय हो सके और किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

संयुक्त संघ की बैठक में सोना साहू मामले की समीक्षा और चर्चा की

कापसी। छग प्रदेश संयुक्त संघ विकासखंड कोयलीबेड़ा का बैठक शिक्षक सदन पखांजुर में 7 दिसंबर को दोपहर 12 बजें रखा गया था। बैठक में मुख्यतः हाईकोर्ट बिलासपुर में सोना साहू प्रकरण के तहत लगए गए याचिका में सिंगल बेंच में मिली हार की समीक्षात्मक चर्चा हुई कि सोना साहू और हमारी नियुक्ति 2005 की है तथा सेवा शर्त भी एक ही है। सोना साहू को सिंगल बैंच में मिली हार के बाद, डबल बैंच में जीत मिलती है, जिसकी चुनौती राज्य शासन ने सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में दी जहां पर राज्य शासन को हार हुई और सोना साहू को जीत मिली, जिसके चलते शासन अपनी गलती को स्वीकारते हुए प्रथम नियुक्ति तिथि से10 वर्ष पर प्रथम एवं 20 वर्ष पर द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ देते हुए अंतर राशि का समस्त एरियर्स राशि भुगतान करने के बावजूद अब सिंगल बैंच द्वारा हमारे याचिका को खारिज करना निश्चित रुप से हमारे मन संदेह उत्पन्न करता है। छग प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ के समस्त याचिका कर्ता एक मत होकर सर्व सम्मति से आगे न्यायालयीन लडाई लड़ने के लिए डबल बैंच में याचिका दायर करने की सहमति दी। साथ ही साथ जनरल आदेश जारी करने के लिए शासन पर दवाब बनाने के लिए सड़क की लड़ाई भी लड़ेंगी।

संघ के जिला उपाध्यक्ष अशोक मृधा ने सभी संगठनों के ब्लाक, जिला और प्रांतिय पदाधिकारियों से अव्हान करते हुए कहा कि हम सब आपसी मतभेद भुलाकर क्रोमोन्नति वेतनमान की जनरल आदेश, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर पुर्ण पेंशन प्रदाय करने, पदोन्नति में बीएड की अनिवार्यता शिथिल करने तथा टेट की अनिवार्यता समाप्त करने को लेकर साझा मांग और साझा मंच बना कर सड़क की लड़ाई लड़ें। हम अपने इतिहास दौहराए, तभी हमारी मांग पूरी होगी। इतिहास गवाह है जब - जब सभी संगठन मिलकर बड़ी आन्दोलन की तब -तब हमें सफलता मिली।

शहीद वीर नारायण सिंह को भाजयुमो ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद वीरनारायण सिंह का शहादत दिवस भानुप्रतापपुर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने अमर शहीद वीरनारायण सिंह को याद किया और उनके बलिदान को नमन किया।

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरीहा के नेतृत्व में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। युवा मोर्चा के सदस्यों ने वीरनारायण सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने वीरनारायण सिंह के साहस और समर्पण को याद करते हुए कहा कि उनका बलिदान हमें राष्ट्रप्रेम और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा। युवा पीढ़ी से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। वीरनारायण सिंह का शहादत दिवस राज्य के लिए गौरव का दिन है, जो हमें स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों के त्याग और तपस्या की याद दिलाता है।

लिंग आधारित हिंसा कार्यक्रम में जागरूकता का दिया संदेश

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत लिंग आधारित हिंसा समाप्ति पर 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत चारामा परियोजना के महिला कलस्टर संगठन ग्राम हल्बा में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में लिंग आधारित हिंसा कारण एवं दुष्प्रभाव तथा इसे समाप्त करने में हमारी भूमिका बारे में जानकारी दी गई और साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध विशेष अधिकारों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत शपथ भी दिलाई गई एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाइन 181, सखी वन स्टॉप सेन्टर, सखी निवास, शक्ति सदन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, घरेलू हिंसा, सी बॉक्स पोर्टल, पोक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। जागरूकता रैली के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं का नारा लागाते हुए प्रचार-प्रसार किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती तेजेश्वरी सिन्हा, श्री महंत टांडिया, महिला सशक्तिरण केन्द्र (हब) से जिला मिशन समन्वयक, जेण्डर विशेषज्ञ, वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ, चाइल्ड लाइन समन्वयक, चैतन्य संस्था से जेण्डर समन्वयक, पुलिस चौकी थाना प्रभारी व टीम हल्बा एवं बिहान समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

आबकारी विभाग और एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अवैध शराब बिक्री से त्रस्त ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत संबलपुर के सतनामी पारा के वार्ड क्रमांक 17 और 20 के ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार चल रही अवैध महुआ शराब बिक्री के खिलाफ एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने बुधवार को आबकारी विभाग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपते हुए अवैध शराब कारोबार पर तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की।

संबलपुर के ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाया कि हमने पिछले कई महीनों में कई बार आबकारी विभाग और पुलिस को शिकायत और सूचना दी, लेकिन न कोई ठोस कार्रवाई हुई और न ही अवैध बिक्री रुकी। ग्रामीणों के अनुसार प्रशासनिक उदासीनता के कारण अवैध शराब विक्रेताओं के हौसले और बढ़ गए हैं और अब यह कारोबार निर्भीक रूप से खुलेआम जारी है। ग्रामीणों ने इसे लंबी प्रशासनिक चूक बताते हुए कहा कि न छापेमारी, न गिरफ्तारी, न ही बिक्री बंद कराने की पहल जैसे कदम अब तक नहीं उठाए गए। सतनामी पारा में रेखा बाई कुरें, पुष्पा जांगड़े, धर्मेन्द्र कुरै और रवि बघेल के घरों में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है, जिसके चलते महिलाओं व बच्चों में असुरक्षा, बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक असर, नशेड़ियों का जमावड़ा आए दिन झगड़े, मारपीट और अशांति जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। सतनामी समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि उनके समाज में शराब की बिक्री पर सामाजिक प्रतिबंध है। कई बार बैठकों में संबंधित व्यक्तियों को समझाया गया, पर चेतावनी के बावजूद अवैध कारोबार बंद नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम स्तर पर इतने लंबे समय तक खुलेआम महुआ शराब की बिक्री बिना विभाग की जानकारी के संभव ही नहीं है। यदि शराब की आपूर्ति हो रही है तो कहीं न कहीं सरकारी शराब दुकान या आबकारी अमले की मिली भगत से इंकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि कुछ दिन पहले ही भानुप्रतापपुर सरकारी शराब दुकान के कर्मचारी को पुलिस ने अपनी कार में अवैध रूप से शराब ले जाते पकड़ा था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जल्द ही क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश नहीं लगाया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन, धरना व थाना घेराव करने को मजबूर होंगे।